S.S Jain Subodh PG College, Jaipur

(Autonomous)

B.A. Semester I

Assignment

Paper- I- Indian Philosophy-I

Q-1. Discuss the fundamental characteristics of Indian philosophy and how they shape its overall worldview?

भारतीय दर्शन की मूलभूत विशेषताओं पर चर्चा कीजिए और वे किस प्रकार इसकी समग्र विश्वदृष्टि को आकार देती हैं?

Q-2. Discuss the three levels of consciousness (waking, dream, and deep sleep) in relation to Jivatma as explained in the Mandukya Upanishad.

माण्डूक्य उपनिषद में वर्णित तीन चेतना के स्तर (जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति) और जीवात्मा के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए।

Q-3. Explain the concept of Anekantavada and its importance in Jain Philosophy.

अनेकांतवाद की अवधारणा और जैन दर्शन में इसकी महत्ता की व्याख्या करें।

Q-4. Discuss the Eightfold Path (Ashtangika Marg) and its importance in achieving Nirvana.

निर्वाण प्राप्ति में अष्टांगिक मार्ग (अष्टांगिक मार्ग) का महत्व समझाएं।

Q-5. Discuss the Nyaya theory of Perception (Pratyaksha).

न्याय दर्शन में प्रत्यक्ष ज्ञान के सिद्धांत पर चर्चा करें।

Q-6. Explain the concept of Dravya (Substance) in Vaisheshika Philosophy.

वैशेषिक दर्शन में द्रव्य (पदार्थ) की अवधारणा की व्याख्या करें।

S.S Jain Subodh PG (Autonomous) College, Jaipur

B.A. Semester I

Assignment

Paper- II- Western philosophy-I

Q-1. Discuss the Socratic Method and its significance in the development of Western Philosophy.

सोक्रेटिक विधि और इसके पश्चिमी दर्शन के विकास में महत्व पर चर्चा करें।

Q-2. Discuss the concepts of Relativism and Subjectivism as presented by the Sophists and their impact on ancient Greek philosophy.

सोफिस्टों द्वारा प्रस्तुत सापेक्षवाद और व्यक्तिवाद की अवधारणाओं और प्राचीन ग्रीक दर्शन पर उनके प्रभाव पर चर्चा करें।

Q-3. Discuss Plato's concept of the soul and its relationship to his theory of knowledge and the ideal state.

प्लेटो की आत्मा की अवधारणा और इसके उनके ज्ञान के सिद्धांत और आदर्श राज्य से संबंध पर चर्चा करें।

Q-4. Explain Aristotle's concepts of Potentiality and Actuality and their significance in his philosophy of change and being.

अरस्तू की संभाव्यता और वास्तविकता की अवधारणाओं और उनके परिवर्तन और अस्तित्व के दर्शन में महत्व की व्याख्या करें।

Q-5. Discuss René Descartes' concept of God and his arguments for the existence of God.

रेने देकार्त के ईश्वर की अवधारणा और ईश्वर के अस्तित्व के लिए उनके तर्कों पर चर्चा करें।

Q-6. Compare and contrast the philosophies of René Descartes, Baruch Spinoza, and Gottfried Wilhelm Leibniz, focusing on their views on substance, God, and the nature of reality.

रेने देकार्त, बारूच स्पिनोज़ा और गोत्तफ्रीड विल्हेम लेब्निज के दर्शनशास्त्र की तुलना और विरोधाभास करें, विशेषकर उनके पदार्थ, ईश्वर, और वास्तविकता की प्रकृति पर विचारों पर ध्यान केंद्रित करें। उनके विचारों के आधुनिक दर्शन के विकास पर प्रभाव पर चर्चा करें।

S.S Jain Subodh PG (Autonomous) College, Jaipur

B.A. Semester III

Assignment

Paper- I- Indian Ethics

Q-1. Discuss the Theory of Karma and its implications in various Indian philosophies.

कर्म के सिद्धांत पर चर्चा करें और विभिन्न भारतीय दार्शनिकताओं में इसके प्रभावों का विश्लेषण करें।

Q-2. Analyze how Dharma influences ethical conduct and social responsibilities in different contexts.

विश्लेषण करें कि धर्म विभिन्न संदर्भों में नैतिक आचरण और सामाजिक जिम्मेदारियों को कैसे प्रभावित करता है।

Q-3. Analyze the concept of Sthitaprajna as described in the Bhagavad Gita. Discuss the characteristics of a Sthitaprajna.

भगवद गीता में वर्णित स्थिरप्रज्ञा की अवधारणा का विश्लेषण करें। स्थिरप्रज्ञा के लक्षणों पर चर्चा करें और योग और आध्यात्मिक अभ्यास के संदर्भ में उनके महत्व को समझाएँ।

Q-4. Discuss the four Purusarthas as outlined in philosophy.

दर्शन में उल्लिखित चार पुरुषार्थों: धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पर चर्चा करें।

Q-5. Discuss the concept of Brahmavihara in Buddhist philosophy.

बौद्ध दर्शन में ब्रह्मविहार की अवधारणा पर चर्चा करें।

Q-6. Analyze the concepts of Anuvratas and Mahavratas in Jain ethics. Discuss their significance in the moral and spiritual development of individuals and their impact on Jain ethical practices.

जैन नैतिकता में अनुव्रत और महाव्रत की अवधारणाओं का विश्लेषण करें। व्यक्तियों के नैतिक और आध्यात्मिक विकास में उनके महत्व और जैन नैतिक प्रथाओं पर उनके प्रभाव पर चर्चा करें।

S.S Jain Subodh PG (Autonomous) College, Jaipur

B.A. Semester III

Assignment

Paper- II- Western Logic-I

Q-1. Discuss the basic functions of language.

भाषा के बुनियादी कार्यों पर चर्चा करें।

Q-2. Compare and contrast the methods of deduction and induction in logical reasoning.

तर्कशास्त्र में निष्कर्षण और संकेत विधियों की तुलना और विरोधाभास करें।

Q-3. Analyze categorical propositions in terms of their quality, quantity, and distribution.

गणात्मक प्रस्तावों (Categorical Propositions) का विश्लेषण उनके गुण, मात्रा और वितरण के संदर्भ में करें।

Q-4. Discuss the concept of immediate inference in logic.

तर्कशास्त्र में तात्कालिक निष्कर्षण (Immediate Inference) की अवधारणा पर चर्चा करें।

Q-5. Discuss the fundamental rules of logic and their role in constructing valid arguments.

तर्कशास्त्र के बुनियादी नियमों और वैध तर्कों के निर्माण में उनकी भूमिका पर चर्चा करें।

Q-6. Discuss the concepts of mood and figures in categorical syllogisms. गणात्मक सिलेगिज़्म (Categorical Syllogisms) में मूड और आकृतियों (Figures) की अवधारणाओं पर चर्चा करें।

S.S Jain Subodh PG (Autonomous) College, Jaipur

B.A. Semester V

Assignment

Paper- I- Indian Logic

Q-1. Discuss the types of Anumana (inference) according to Nyaya philosophy.

न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान (अनुमान) के प्रकारों पर चर्चा करें।

Q-2. Explain the concept of Vyaptigrahopaya in Nyaya logic.

न्याय तर्कशास्त्र में व्याप्तिग्रहोपाय (Vyaptigrahopaya) की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Q-3. Discuss the definition and types of Anumana (inference) according to Buddhist logic.

बौद्ध तर्कशास्त्र के अनुसार अनुमान (अनुमान) की परिभाषा और प्रकारों पर चर्चा करें।

Q-4. Discuss the types of Vyapti (universal relation) according to Buddhist logic.

बौद्ध तर्कशास्त्र के अनुसार व्याप्ति (Vyapti) के प्रकारों पर चर्चा करें।

Q-5. Discuss the theories of inference in Jainism.

जैनवाद में अनुमान (Inference) के सिद्धांतों पर चर्चा करें।

Q-6. Discuss the types of Vyapti (universal relation) according to Jain philosophy.

जैन दर्शन के अनुसार व्याप्ति (Vyapti) के प्रकारों पर चर्चा करें।

S.S Jain Subodh PG (Autonomous) College, Jaipur

B.A. Semester V

Assignment

Paper- II- Philosophy of Religion

Q-1. Explore the concept of Dharma in various religious traditions.

विभिन्न धार्मिक परंपराओं में धर्म (Dharma) की अवधारणा की जांच करें।

Q-2. Examine the moral attributes of God as understood in various religious traditions.

विभिन्न धार्मिक परंपराओं में भगवान के नैतिक गुणों की जांच करें।

Q-3. Examine the various proofs for the existence of God as presented in Indian religions.

भारतीय धर्मों में भगवान के अस्तित्व के विभिन्न प्रमाणों की जांच करें।

Q-4. Discuss the Problem of Evil in the context of religious philosophy.

धार्मिक दर्शन के संदर्भ में 'ईविल का समस्या' (Problem of Evil) पर चर्चा करें।

Q-5. Examine the concept of immortality in various religious traditions.

"विभिन्न धार्मिक परंपराओं में अमरत्व (immortality) की अवधारणा की जांच करें।

Q-6. Explain the mysticism.

रहस्यवाद को समझाइये।